

तीज सुहाई हिण्डोल में झूलो झूलो  
मेरे साईं प्रेम का हिंडोरना॥

श्रद्धा के भूमि पै झूला सजाइनि नेष्ठा के खंभे ता में गड़ाइनि  
शुभ घड़ी आई हिडोल में—झूलो झूलो॥

प्रतीत पटुली में रुचि की है डोरी भाव की गदी में सुख  
सरसोरी  
गाओ वाधाई हिडोल में—झूलो झूलो॥

उत्कंठा के झूटे आए प्रीति सहेली आप झुलावे  
श्री सीय रघुराई हिडोल में—झूलो झूलो॥

गान कला संगीत सुनावे सिक सहिचरी साज बजावे  
मोद मिलावे हिडोल में—झूलो झूलो॥

चाह चत्रुता चंवर झुलाइनि सुन्दर ता से छत्र सजाइनि  
पुष्प वर्षा थी हिडोल में—झूलो झूलो॥

नृमलता आ नृत्य दिखावे हाथ भाव करि हींय हर्षाए  
ताता थेई छाई हिडोल में—झूलो झूलो॥

मैगसि मैया जुग जुग झूलो मधुर आनंद में फलो और फूलो  
हर्ष बढ़ाए हिडोल में—झूलो झूलो॥